समाजशास्त्र एवं सामाजिक विज्ञान के मध्य सम्बन्ध →

समाजशास्त्र को भी अनुशासनिक क्षेत्र के उपक्षेत्र सामाजिक विज्ञान का प्रमुख विषय माना जा सकता है। समाजशास्त्र का प्रत्यक्ष सम्बन्ध सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र से होता है। समाजशास्त्र के जो भी उद्देश्य होते हैं ठीक उसी प्रकार के उद्देश्य सामाजिक के भी होते हैं। समाजशास्त्र के अन्तर्गत उन विषयों एवं प्रकरणों को सम्मिलित किया जाता है जो कि सामाजिक नियमों परम्पराओं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं समाज कल्याण से सम्बन्धित होते हैं। समाजशास्त्र एवं सामाजिक विज्ञान के मध्य पाये जाने वाले सम्बन्धों का वर्णन निम्नलिखित रूपों में किया जा सकता है जो कि अनुशासनिक क्षेत्र एवं विद्यालयी पाठ्यक्रम सम्बन्ध को प्रदर्शित करेगा

(1)- समाजशास्त्र के अन्तर्गत विविध प्रकार के सामाजिक समूहों के बारे में बताया जाता है। इन समूहों के माध्यम से छात्र सामाजिक गतिविधियों के बारे में ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा भविष्य में

वे इस प्रकार के समूहों के सक्रिय सदस्य बनकर समाज हित मे कार्य करते हैं।

(2) समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विविध प्रकार की सामाजिक गतिविधियों एवं परम्पराओं के बार में ज्ञान प्रदान किया जाता है। इन परम्पराओं के निर्वाह से समाज मे आत्मीय एवं नैतिक सम्बन्ध बने होते हैं। समाज का स्वरुप सर्वोत्तम रुप मे विकसित होता है।

(3) समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम का वर्णन होता है। इन सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को अपनी संस्कृतिक का ज्ञान होता है तथा छात्रों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों मे अपनी भूमिका का निर्वहन किया जाता है।

समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विविध सामाजिक मूल्यों से सम्बन्धित तथ्यों का समावेश किया जाता है।

लोकप्रशासन एवं सामाजिक विज्ञान के मुख्य सम्बन्ध ⇒

अनुशासनिक क्षेत्र के प्रमुख उपक्षेत्र सामाजिक विज्ञान सम्बन्धी क्षेत्र का प्रमुख विषय लोक प्रशासन को भी माना जाता है। लोक प्रशासन का स्वरूप या इससे सम्बन्धित प्रकरण प्राथमिक स्तर से प्रारम्भ कर दिये जाते हैं जैसे- नागरिकशास्त्र में स्थानीय प्रशासन को न्याय पंचायत के माध्यम से स्पष्ट किया जाता है। विद्यालय के नियमों को ही कानून का नाम दिया जाता है। इस प्रकार लोक प्रशासन की प्रारम्भिक अवस्था में उपलब्ध होती है। इसको पृथक विषय के रूप में मे माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर पर ध्यान दिया जाता है। इस प्रकार लोक प्रकार लोक प्रशासन की प्रारम्भिक अवधारणा विद्यालयी व्यवस्था में उपलब्ध होती है। इसको पृथक विषय के रूप में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर पर स्थान दिया जाता है। सामाजिक विज्ञान का इससे घनिष्ट माना जाता है क्योंकि इसके पाठ्यक्रम का निर्धारण सामाजिक विज्ञान के उद्देश्यों के अनुरूप किया गया है। लोक प्रशासन के माध्यम से सर्वोत्तम समाज की स्थापना की जा सकती है।

Scanned with CamScanner

(1) लोकप्रशासन → लोक प्रशासन के के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत उन सामान्य एवं व्यवस्थाओं का वर्णन किया जाता है जो सामाजिक व्यवस्थाओं के संचालन के लिए उपयोगी सिद्ध होते हैं। जिसके परिणाम स्वरुप छात्रों द्वारा इसके ज्ञान से समाज मे अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया जाता है।

(2) लोक प्रशासन के अन्तर्गत सिद्धान्तो का वर्णन होता है। इन सिद्धान्तों के आधार पर छात्रों को प्रशासनिक व्यवस्था का ज्ञान होता है। छात्र अपने ज्ञान का उपयोग अपने भावी जीवन में आवश्यकता के अनुरुप कर सकते हैं।

(3) लोक प्रशासन के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत उन प्रकरणो का समावेश किया जाता है जो कि सामाजिक न्याय की व्यवस्था कराने से सम्बन्धित होते हैं इन नियमो के ज्ञान से छात्रो मे एक ओर न्याय की व्यवस्था उपलब्ध कराने से सम्बन्धित होते हैं।

Scanned with CamScanner

विद्यालयी पाठ्यक्रम एवं प्राकृतिक विज्ञान के मध्य सम्बन्ध ⇒

विद्यालय मे कुछ विषय ऐसे भी होते हैं जो कि प्राकृतिक विज्ञान से सम्बन्धित होते हैं। इन विषयो के पाठ्यक्रम पर सामाजिक विज्ञान के साथ प्राकृतिक विज्ञान का प्रभावी रूप से प्रभाव पड़ता है। सामाजिक विज्ञान एवं प्राकृतिक विज्ञान दोनो से यदि अनुशासनिक व्यवस्था को हटा दिया जाय तो यह अपने उद्देश्यो को प्राप्त करने मे सक्षम नही होगे अतः अनुशासनिक व्यवस्था के रूप मे दोनो ही महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक विज्ञान अनुशासनिक क्षेत्र का प्रमुख उपक्षेत्र है। इसके अन्तर्गत भी प्रमुख विद्यालयी विषयो को सम्मिलित किया जाता है। प्राकृतिक विज्ञान सम्बन्धी अनुशासनिक क्षेत्र के अन्तर्गत - भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, खगोल विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान एवं मानव विज्ञान को सम्मिलित किया जाता है। अन्य विज्ञानो का महत्वपूर्ण विषय विज्ञान की इन शाखाओं मे ही समाहित होते है। अतः प्राकृतिक विज्ञान के विद्यालयी विषयो

Scanned with CamScanner

पर पड़ने वाले प्रमुख प्रभावो तथा प्राकृतिक विज्ञान सम्बन्धी अनुशासनिक क्षेत्र के विद्यालयी पाठ्यक्रमो से सम्बन्ध को निम्नलिखित रूप में स्पष्ट किया जा सकता है। -

(1) भौतिक विज्ञान के पाठ्यक्रम

(1) भौतिक विज्ञान एवं प्राकृतिक विज्ञान के मध्य सम्बन्ध ⇒
भौतिक विज्ञान को प्राकृतिक की श्रेणी में रखा जाता है। भौतिक विज्ञान के पाठ्यक्रम का सम्बन्ध प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मानवीय ज्ञान के सम्वर्द्धन एवं मानवीय कल्याण से होता है। इस आधार पर ही भौतिक विज्ञान भी मानव कल्याण एवं सार्वजनिक हित से सम्बद्ध होते है।

अत: भौतिक विज्ञान के पाठ्यक्रम में उन प्रकरणो को स्थान दिया गया है जो प्राकृतिक विज्ञान के उद्देश्यो की पूर्ति करने मे सहायक सिद्ध होते है।

⇒ भौतिक विज्ञान के पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों अन्धविश्वास, रूढिवाद को समाप्त करने का प्रयास किया जाता है।

Scanned with CamScanner

रसायन विज्ञान एवं प्राकृतिक विज्ञान के मध्य सम्बन्ध ⇒

रसायन विज्ञान एवं प्राकृतिक विज्ञान दोनो के मध्य घनिष्ठ सम्बन्ध पाया जाता है। अनुशासनिक क्षेत्र के प्रमुख उप क्षेत्र प्राकृतिक विज्ञान का प्रमुख विद्यालयी विषय रसायन विज्ञान है। रसायन विज्ञान के पाठ्यक्रम को इस प्रकार से तैयार किया जाता है जो सार्वजनिक हित एवं मानवीय कल्याण के लिए कार्य करे। इस पाठ्यक्रम मे अनुशासनिक ज्ञान के सिद्धान्त को ध्यान मे रखा जाता है। रसायन विज्ञान के पाठ्यक्रम एवं अनुशासनिक ज्ञान के उप क्षेत्र प्राकृतिक विज्ञान के ~~मध्य~~ के सम्बन्ध को निम्न लिखित रूप मे स्पष्ट किया जा सकता है।—

(1) विद्यालयी स्तर पर रसायन विज्ञान के पाठ्यक्रम में उन सभी विषयों को सम्मिलित किया गया है जो कि सामाजिक कल्याण से सम्बन्धित होते हैं:- जैसे यूरेनियम के ऊर्जा उत्पाद सम्बन्धी गतिविधियों को पाठ्यक्रम मे सम्मिलित किया गया है।

(2) रसायन विज्ञान के पाठ्यक्रम का निर्धारण इस प्रकार से किया गया है जो कि प्राकृतिक विज्ञान की पूर्ति में

सहायता करता है, जैसे- रसायन विज्ञान के पाठ्यक्रम में जैसो के विविध उपयोगों को प्रदर्शित किया गया है। जो कि मानव हित में सम्भव होते हैं।

(3) रसायन विज्ञान के पाठ्यक्रम में उन सभी तथ्यों को सम्मिलित किया गया है जो कि छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं सार्वजनिक हित की भावना का विकास करता है। इनके माध्यम से छात्रों में अन्धविश्वास की भावना को समाप्त करने का प्रयास किया जाता है

(4) रसायन विज्ञान के पाठ्यक्रम में विविध यन्त्रों के प्रदर्शन के वर्णन के बारे में बताया गया है। जिससे छात्र सूक्ष्मदर्शी का प्रयोग करके विविध प्रकार के जीवाणुओं के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकते है। इससे छात्रों में यान्त्रिक ज्ञान एवं प्रयोग की क्षमता विकसित होती है।

(5) रसायन विज्ञान के पाठ्यक्रम का सह सम्बन्ध अन्य विज्ञानों के साथ प्रदर्शित किया गया है। आवश्यकतानुसार इसे अन्य प्राकृतिक विज्ञान के प्रकरणों एवं तथ्यों को सम्मिलित किया गया है।

Scanned with CamScanner

जीव विज्ञान एवं प्राकृतिक विज्ञान के मध्य सम्बन्ध

जीव विज्ञान एवं अनुशासनिक ज्ञान के उपक्षेत्र प्राकृतिक विज्ञान के मध्य घनिष्ट सम्बन्ध पाया जाता है।

विद्यालयी स्तर पर छात्रों को जीव विज्ञान सम्बन्धी विषय का ज्ञान कराया जाता है।

अतः यह प्राकृतिक विज्ञान सम्बन्धी स्तर का प्रमुख विषय विद्यालयी स्तर पर जीव विज्ञान सम्बन्धी पाठ्यक्रम को अनुशासानिक ज्ञान के क्षेत्र प्राकृतिक विज्ञान सम्बन्धी विद्यालयी स्तर का प्रमुख विषय है।

विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान सम्बन्धी पाठ्यक्रम को अनुशासनिक ज्ञान के क्षेत्र प्राकृतिक विज्ञान के द्वारा प्रभावित किया जाता है।

दूसरे शब्दो में प्राकृतिक विज्ञान के उद्देश्य, गतिविधियाँ, आवश्यकता एवं विषय प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जीव विज्ञान के विद्यालयी स्तर सम्बन्धी पाठ्यक्रम को प्रभावित है। अनुशासनिक क्षेत्र के उपक्षेत्र प्राकृतिक विज्ञान के जीव विज्ञान से सम्बन्धित निम्नलिखित द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

(1) जीवविज्ञान के विद्यालयी स्तर के पाठ्यक्रम में उन सभी विषयो को सम्मिलित किया गया है जो मानव कल्याण से सम्बन्धित है।
जीव विज्ञान के पाठ्यक्रम मे विविध जीव जन्तुओं एवं वनस्पतियों को सम्मिलित किया गया है तथा इनकी मानव जीवन के लिए उपयोगिता को प्रदर्शित किया गया है। इससे मानव के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होता है।

(2) जीव विज्ञान के विद्यालयी स्तर के पाठ्यक्रम मे छात्रो को क्रमबद्ध रूप से उन परिवेशीय घटनाओं का ज्ञान प्रदान किया जाता है। जो कि जीव विज्ञान से सम्बन्धित है।
इससे छात्रों में वैज्ञानिक विकास होता है तथा अन्धविश्वासो का समापन होता है।

(3) जीव विज्ञान के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विविध प्रकार की वनस्पतियों के औषधि के रूप मे प्रयोग को भी प्रस्तुत किया गया है।
जीव विज्ञान को चिकित्सा विज्ञान के रूप मे मानव हित के लिए स्वीकारा गया है।

Scanned with CamScanner